मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MVS–007

एम. ए. (वैदिक अध्ययन)

(एम.ए.वी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.वी.एस.-007 : वैदिक देवतत्त्व एवं विज्ञान

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए। हिन्दी* ***अथवा*** *संस्कृत* ***अथवा*** *अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दीजिए।*

खण्ड—अ

निर्देश : *अधोलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए।* 3×20=60

1. अन्तरिक्ष स्थानीय देवताओं के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
2. वेदों में भौतिक एवं रसायन तत्त्वों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

3. देवभावना की उत्पत्ति एवं विकास का विवेचन कीजिए।
4. प्राकृतिक चिकित्सा के स्वरूप का विस्तार से वर्णन कीजिए।
5. पुराणों में वेदों के उल्लेख पर विस्तृत व्याख्या कीजिए।
6. चिकित्सा विज्ञान के भेदों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

खण्ड—ब

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए।* 4×10=40

1. वायु देवता के स्वरूप का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
2. वैदिक शास्त्रों में आकर्षण सिद्धान्त पर टिप्पणी लिखिए।
3. "सूर्य जगत् की आत्मा है।" वर्णन कीजिए।
4. वनस्पतियों में चेतना के भाव को वर्णित कीजिए।
5. पर्यावरण एवं यज्ञ के स्वरूप को लिखिए।
6. वेद एवं अवेस्ता में द्यावापृथ्वी के अन्त:सम्बन्ध को उल्लेखित कीजिए।
7. वैदिक स्थापत्य में गृह एवं नगर के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com